Appendix

परिशिष्ट

प्रमुख सन्दर्भ-ग्रंथ एवं अन्य सहायक ग्रंथ-सूची

हिन्दी-गुजराती ग्रंथ -

1.अंजुरी भर प्यास - कैलाशनाथ तिवारी, साहित्यालोक, अहमदाबाद, 1994 ।

2.अकह - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल, पार्श्व प्रकाशन, 1984 ।

3.अक्षयरस - संपा0 डॉ0 कुँवर चन्द्रप्रकाश सिंह, म0स0 विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 1963 ।

4.अखानी वाणी अने मनहर पद - सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय, अहमदाबाद ।

5.अखो एक अध्ययन - उमाशंकर जोशी, वोरा एण्ड कम्पनी पब्लिशर्स प्रा0 लि0 बम्बई, 1941 ई0 ।

6.अजस्रा - भागवत प्रसाद मिश्र 'नियाज', हिन्दी साहित्य परिषद, 1999 ।

7.अथेति - डॉ0 रमाकान्त शर्मा, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1996 ।

8.अध्यात्म भजनमाला (भाग-2) - संपा0 कहान जी धर्मसिंह, तारदेव ज्युबिली बाग, बम्बई, सं0 1959 ।

9.अनुभूति - डॉ0 नलिनी पुरोहित, निखिल प्रकाशन, वडोदरा, 1993 ।

10.अप्रसिद्ध अक्षयवाणी - संपा0 श्री जगन्नाथ दामोदर त्रिपाठी, गुजरात विद्या सभा, अहमदाबाद ।

11.अभीप्सा - निर्मला आसनानी, 1997 ।

12.अर्वाचीन कविता - सुन्दरम् ।

13.अशब्द अर्थ - डॉ0 रमाकांत शर्मा, आस्था प्रकाशन, अहमदाबाद, 1970 ।

14.'अष्टछाप-परिचय' - प्रभुदयाल मीतल, प्रका0 प्रभुदयाल मीतल, अग्रवाल प्रेस, मथुरा, द्वितीय संस्करण, सं0 2006 ।

15.आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ- डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त (प्रथम संस्करण), 1976 ।

16.आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका- डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी ।

17.आदि वचनो- डॉ0 कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ।

18.आधुनिक हिन्दी साहित्य: गुजरात (डॉ0 रामकुमार गुप्त अभिनन्दन ग्रंथ)- हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद

19.आनन्दघन पद संग्रह - अध्याय ज्ञान प्रसारक मण्डल, बम्बई ।

20.आर्तनाद - जयसिंह 'व्यथित', शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 1990 ।

21.उगते शब्द - डॉ0 रमाकांत शर्मा, आस्था प्रकाशन, अहमदाबाद, 1970 ।

22.उठी हुई बाँहों का समुद्र - सुलतान अहमद, विद्यार्थी प्रकाशन, दिल्ली, 1989 ।

23.उत्तर भारत की संत परम्परा - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद द्वितीय आवृति, सं0 2021 ।

24.उत्तर महाभारत - डॉ0 किशोर काबरा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 1990 ।

25.उत्तर रामायण - किशोर काबरा, अविराम प्रकाशन, दिल्ली, 1994 ।

26.उदाधर्म पंचरत्नमाला - प्र0 रामकबीर सम्प्रदाय के स्वामी जगदीशचन्द्र महाराज, पुनियाद, बड़ौदा ।

27.उर्दू की इब्तेदाई नकवोनुमा में सूफियाये किराम का काम - डॉ0 अब्दुल हक़ ।

28.एक अर्थ - डॉ0 रमाकान्त शर्मा, चारुतर प्रकाशन, आणंद, 1973 ।

29.ऐतिहासिक जैन काव्य संग्रह - संपा0 अगरचन्द, भंवरलाल नाहटा ।

30.कच्छ की ब्रजभाषा पाठशाला और उससे सम्बन्धित कवियों का कृतित्व - डॉ0 निर्मला आसनानी, प्रका0 हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1996 ।

31.कच्छ ना संतो अने कविओ - श्री दूलेराम काराणी, सोनगढ़ (सौराष्ट्र) सं0 2015 ।

32.कच्छनुं संस्कृति दर्शन - रामसिंह राठौड़ ।

33.कच्छी संतों की हिन्दी वाणी - सं0 कमल मेहता, चिन्ता प्रकाशन, पिलानी, 1988 ।

34.कटघरे में हूँ - भगवान दास जैन, 1998 ।

35.कबीर अने कबीर सम्प्रदाय - किशनसिंह चावड़ा, फार्बस गुजराती सभा, बम्बई ।

36.कवि चरित - के. का. शास्त्री, गुजरात वर्नाक्युलर सोसायटी, अहमदाबाद ।

37.कारा - भागवत प्रसाद मिश्र 'नियाज', स्टुडेंट्स स्टोर्स, जबलपुर, 1950 ।

38.कीर्तन की वाणी - राजबख्श ।

39.कुलजमशरीफ -स्वामी प्राणनाथ ।

40.क्षण का सौदागर - डॉ0 रामकुमार गुप्त, जवाहर पुस्तकालय, मथरा, 1977 ।

41.क्षण के कण - रमेश चन्द्र शर्मा 'चन्द्र', 1998 ।

42.क्षितिज से दूर - कमल पुंजाणी, जनहित प्रकाशन, मथुरा, 1978 ।

43.खामोश हूँ मैं - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल, संस्कृति प्रकाशन, 1987 ।

44.गबरी कीर्तनमाला - शोधक 'मस्त', प्र0 कमल शंकर भचेय, अहमदाबाद ।

45.गीत रजनीगंधा के - द्वारका प्रसाद साँचीहर, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद, 1994 ।

46.गुजरात का आधुनिक हिन्दी काव्य - कुमारी सुनीता चन्दात्रे, म.स.वि.वि., बड़ौदा द्वारा स्वीकृत शोध प्रबन्ध ।

47.गुजरात का समकालीन हिन्दी साहित्य (आचार्य रघुनाथ भट्ट अभिनन्दन ग्रंथ)- हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद ।

48.गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता - संपा0 डॉ0 अम्बाशंकर नागर, हिन्दी साहित्य अकादमी, (गुजरात राज्य) ।

49.गुजरात की हिन्दुस्तानी काव्यधारा - संपा0 डॉ0 अम्बाशंकर नागर एवं प्रो0 अल्लाबख़्श शेख़ ।

50.गुजरात के कवियों की हिन्दी साहित्य को देन - डॉ0 नटवरलाल अ0 व्यास, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1967 ।

51.गुजरात के समकालीन हिन्दी कवि - संपा0 डॉ0 गोवर्धन शर्मा, हिन्दी साहित्य अकादमी, (गुजरात राज्य) ।

52.गुजरात के संतों की हिन्दी वाणी- संपा डॉ0 अम्बाशंकर नागर एवं डॉ0 रमण लाल पाठक, गुर्जर भारती, अहमदाबाद, 1969 ।

53.गुजरात के संतों की हिन्दी साहित्य को देन - डॉ0 रामकुमार गुप्त, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1968 ।

54.गुजरात के हिन्दी गौरव-ग्रंथ - डॉ0 अम्बाशंकर नागर, गंगा पुस्तकालय, लखनऊ, 1964।

55.गुजरात के हिन्दी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)- डॉ0 रमण लाल पाठक, प्रथम संस्करण, पार्श्व प्रकाशन, 1996 ।

56.गुजरात के हिन्दी साहित्यकार : परिचय-पुस्तिका (प्रथम एवं तृतीय संस्करण)- संपा0 भूपतिराम साकरिया, हिन्दी साहित्य अकादमी (गुजरात राज्य) ।

57.गुजरात में कबीर परम्परा - डॉ0 कान्तिकुमार भट्ट, अभिनव भारती, इलाहाबाद, 1975

58.गुजरातीओऐ हिन्दी साहित्यमां आपेलो फालो -श्री डाह्याभाई पीताम्बरदास देरासरी, गु0 वर्नाक्युलर सोसायटी, अहमदाबाद, 1937 ।

59.गुजराती और ब्रजभाषा - कृष्ण काव्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ0 जगदीश गुप्त, हिन्दी परिषद, प्रयाग ।

60.गुजराती संतों की हिन्दी वाणी - संपा0 डॉ0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल 'तरुण', स0 पटेल युनिवर्सिटी, वल्लभविद्यानगर, गुजरात ।

61.गुजराती साहित्य (मध्यकालीन) - अनन्तराव रावल, मेकमिलन एण्ड कम्पनी लि0, 276, होर्न्बीरोड, कोट, मुम्बई, ई स0 1954 ।

62.गुजराती साहित्य का इतिहास- श्री जयन्तकृष्ण हरिकृष्ण दबे, प्र0 हिन्दी समिति,

सूचना विभाग, उत्तरप्रदेश ।

63.*गुजराती साहित्यना मार्गसूचक अने वधु मार्गसूचक स्तम्भो* - कृष्णलाल मोहनलाल झवेरी, एन0 एम0 त्रिपाठी प्रा0 लि0, प्रिंसेस स्ट्रीट, बम्बई-2, 1958 ई0 ।

64.*गूर्जर जैन कवियों की हिन्दी साहित्य को देन* - हरिप्रसाद गजानन शुक्ल 'हरीश', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1976 ।

65.*गूर्जर जैन साहित्य और इतिहास* - पं0 नाथूराम प्रेमी ।

66.*गूर्जर साहित्य संग्रह (प्रथम भाग)*

67.*चन्दन हो गया हूँ* - डॉ0 किशोर काबरा, पश्चिमांचल प्रकाशन, अहमदाबाद, 1999 ।

68.*चरैवेति* - डॉ0 रामअवधेश त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1993 ।

69.*चाँद, चाँदनी और कैक्टस* - डॉ0 अम्बाशंकर नागर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1971।

70.*छंद-छंद रागिनी* - श्री रामचेत वर्मा, त्रिपाठी एवं संस ।

71.*छत्रसाल ग्रंथावली* - सं0 श्री वियोगी हरि ।

72.*छूटे तटबन्धों पर पुनः* - अविनाश श्रीवास्तव, रामानन्द प्रैस, अहमदाबाद, 1981 ।

73.*छोटमनी वाणी (भाग 1-3)*- संपा0 भिक्षु अखण्डानन्द, सस्तु साहित्यवर्धक कार्यालय, अहमदाबाद, सं0 1982, 1984 ।

74.*जज़्बात* - भागवत प्रसाद मिश्र 'नियाज', हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद,, 1997 ।

75.*ज़िन्दा है आईना* - डॉ0 भगवान दास जैन, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1982

76.*जिनराजसूरि कृत कुसुमांजलि* - संपा0 अगर चन्द नाहटा ।

77.*जिन हर्ष ग्रंथावली* - संपा0 अगरचन्द नाहटा ।

78.*जैन गूर्जर कविओ (भाग 1-3)* - श्री मोहनलाल दलिचन्द शाह, जैन श्वेताम्बर कॉन्फरन्स ऑफिस, बम्बई ।

79.*टुकड़े-टुकड़े आकाश* - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल, साहित्य भारती, अहमदाबाद, 1987

80.*ठहरी हुई धूप* - अविनाश श्रीवास्तव, अभिलाषा प्रकाशन, अहमदाबाद ।

81.*दंशों के घेरे मे* - डॉ0 सुधा श्रीवास्तव, त्रिपाठी एंड संस, अहमदाबाद, 1980 ।

82.*दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा* - राहुल सांकृत्यायन ।

83.*दयाराम (गुजराती)* - डॉ0 भोगीलाल साँडेसरा ।

84.*दयाराम काव्य-संग्रह* - संपा0 श्री नर्मद शंकर मेहता ।

85.*दयाराम रसथाळ* - संवत् 2001 संस्करण, प्रका0 भक्त कवि श्री दयाराम समिति, डभोई ।

86.*दयाराम सतसई* - संपा0 डॉ0 अम्बाशंकर नागर, साहित्य भवन, इलाहाबाद ।

87.दर्द का रिश्ता - डॉ0 दयानन्द जैन, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद ।

88.दलितों का मसीहा - जयसिंह 'व्यथित', शांति प्रकाशन, अहमदाबाद, 1991 ।

89.दादू दयाल की बानी - संपा0 पं0 सुधाकर द्विवेदी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा ।

90.दीवार के इधर-उधर - सुलतान अहमद, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।

91.धरती गाये रे - घनश्याम अग्रवाल, अपूर्व प्रकाशन, अजमेर, 1965 ।

92.धनुष भंग - किशोर काबरा, एस. चन्द्रकान्त कम्पनी, नई दिल्ली, 1982 ।

93.धुएँ का शहर - डॉ0 रामकुमार गुप्त, चिंता प्रकाशन पिलानी, 1984 ।

94.धूम्रवन से लौट आई लाल परियाँ - डॉ0 विष्णु विराट, गुजरात हिन्दी प्रचारिणी सभा, बड़ौदा ।

95.नभुवाणी -संपा0 नरभेशंकर प्राणशंकर गोगा, सं0 2001 ।

96.नयी धरती नया आकाश - संपा0 डॉ0 अम्बाशंकर नागर, डॉ0 रामकुमार गुप्त, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1991 ।

97.नरसिंह महेता कृत काव्य संग्रह- संपा0 ईच्छाराम सूर्यराम देसाई, गुजराती प्रेस, बम्बई, 1913 ।

98.नरो वा कुंजरो वा - किशोर काबरा, साहित्य सहकार, दिल्ली, 1984 ।

99.निजानन्द चरितामृत - नवतनपुरी, जामनगर से प्रकाशित ग्रंथ ।

100.नवद्वीप - डॉ0 रमाकान्त शर्मा, आस्था प्रकाशन, अहमदाबाद, 1972 ।

101.निरान्त काव्य - संपा0 गोपालराम शर्मा, निरान्त मंदिर, बड़ौदा ।

102.निर्वसना - डॉ0 विष्णु विराट, गुजरात हिन्दी प्रचारिणी सभा, बड़ौदा ।

103.नीलाम्बर के नीचे - डॉ0 शांति सेठ, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1994 ।

104.पँखेरु पश्चिम के - संपा0 डॉ0 किशोर काबरा एवं रामचेत वर्मा ।

105.पछुवाँ के हस्ताक्षर - संपा0 डॉ0 किशोर काबरा, शांति प्रकाशन, रोहतक 1997 ।

106.पटाक्षेप होने तक - डॉ0 दयाचन्द जैन ।

107.परमार्थ सोपान - डॉ0 रानडे, भारतीय विद्याभवन, बम्बई ।

108.परिचित पद संग्रह - सस्तु साहित्यवर्धक कार्यालय, अहमदाबाद, द्वितीय आवृति, सं0 2002 ।

109.परिताप के पाँच क्षण - किशोर काबरा, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1979 ।

110.परिवेश गगन बदले क्षण-क्षण - अविनाश श्रीवास्तव, शाश्वत प्रकाशन, अहमदाबाद, 1996 ।

111.पिछली बहार के सूरजमुखी-अविनाश श्रीवास्तव, गीता प्रकाशन, अहमदाबाद, 1977 ।

112.पुरानी हिन्दी - चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ।

113.प्रतिबिम्बित इन्द्रधनुष - डॉ0 कमल पुंजाणी, हिन्द प्रकाशन, मथुरा, 1975 ।

114.प्रम्लोचा - डॉ0 अम्बाशंकर नागर, लोक भारती, इलाहाबाद ।

115.प्रवीण सागर- संपा0 गोविन्द गिल्लाभाई, ऐंग्लो वर्नाक्यूलर प्रेस, सन 1892 ।

116.प्रशस्ति संग्रह - संपा0 कस्तूरचन्द कासलीवाल ।

117.प्राचीन काव्य माला (भाग-5) (भोजाकृत कविता)-संपा0 हरगोविन्ददास कांटावाला, सं0 1945-46 ।

118.प्राचीन काव्य माला(भाग-10) (निरान्त कृत कविता)-संपा0 हरगोविन्ददास कांटावाला, सं0 1945-46 ।

119.प्राचीन काव्य माला(भाग-11) (मुकुन्दकृत कविता)- संपा0 हरगोविन्ददास कांटावाला, सं0 1945-46 ।

120.प्राणनाथ : सम्प्रदाय एवम् साहित्य - डॉ0 नरेश पंड्या ।

121.प्राचीन फाग संग्रह- संपा डॉ0 भोगीलाल सांडेसरा ।

122.प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास - डॉ0 जयशंकर मिश्र ।

123.प्रीतमदासनी वाणी- संपा0 भिक्षु अखंडानंद, सस्तु साहित्यवर्धक कार्यालय, अहमदाबाद, सं0 1981 ।

124.प्यासी धरती : खाली बादल - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल, पार्श्व प्रकाशन, 1994 ।

125.फागुन बीते जा रहे - सूर्यदीन यादव, सरिता प्रकाशन, नडियाद, 1993 ।

126.फैली पलाश के कानन लौं - डॉ0 विष्णु विराट, विराट प्रकाशन मंदिर, बड़ौदा, 1993।

127.बख्शी हंसराज कृत 'श्री मिहराज चरित्र'- संपा0 शास्त्री देवकृष्ण शर्मा ।

128.बस ! तुम ही तुम - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल, साहित्य भारती, 1987 ।

129.बाल कृष्ण - जयसिंह 'व्यथित', गुजरात हिन्दी विद्यापीठ, 1992 ।

130.बिन्दिया के बोल - रामकुमार गुप्त, चिंता प्रकाशन, पिलानी, 1971 ।

131.बुंदेलखण्ड का संक्षिप्त इतिहास - गोरेलाल तिवारी ।

132.बूँद-बूँद घट में - संपा0 डॉ0 किशोर काबरा, शांति प्रकाशन, रोहतक ।

133.बृहत काव्य दोहन (भाग 1 थी 8) - संपा0 इच्छाराम सूर्यराम देसाई, गुजराती प्रिन्टिंग प्रेस, बम्बई ।

134.बोनसाई संवेदनाओं के सूरजमुखी - मंजु 'महिमा' भटनागर, हिन्दी साहित्य परिषद,

अहमदाबाद, 1981 ।

135.ब्रह्मानन्द काव्य - संपा0 मोतीलाल त्रिभेवनदास फौजदार, सं0 1966 ।

136.भक्त कवि राजे कृत काव्य संग्रह - संपा0 डॉ0 रमेश जानी ।

137.भजन रत्नाकर याने अमरवाणी

138.भजन संग्रह : धर्मामृत - पं0 बेचरदास ।

139.भजनसागर (भाग 1-2) - सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय, अहमदाबाद ।

140.भारत नो धार्मिक इतिहास - शाह देवजी लल्लुभाई ।

141.भारत में इस्लाम- आचार्य चतुरसेन, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1973 ।

142.भारतीय संस्कृति और उनका इतिहास - सत्यकेतु विद्यालंकार ।

143.भारतवर्ष का नवीन इतिहास - डॉ0 ईश्वरी प्रसाद ।

144.भाव-निर्झर - मधुमालती चौकसी, स्वयं प्रकाशन, बड़ौदा, 1982 ।

145.भुज (कच्छ) की ब्रजभाषा पाठशाला - कुँ चन्द्रप्रकाश सिंह ।

146.मध्यकालीन गुजरात का हिन्दी-काव्य - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल, साहित्य भारती अहमदाबाद, प्रथम संस्करण, 1997 ।

147.मध्यकालीन हिन्दी कवयित्रियाँ - डॉ0 सावित्री सिन्हा, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली ।

148.मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती साखी साहित्य - डॉ0 रानु मुखर्जी, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद प्रथम संस्करण, 1998 ।

149.मध्यकालीन हिन्दी साहित्य : अध्ययन एवं अन्वेषण - डॉ0 अम्बाशंकर नागर, पश्चिमांचल प्रकाशन, अहमदाबाद, प्रथम संस्करण, 1997 ।

150.मध्यकालीन हिन्दी साहित्य : पुनरीक्षण - हिन्दी साहित्य अकादमी, प्रथम संस्करण, 1998 ।

151.मध्ययुगीन सूफी और सन्त काव्य - डॉ0 मुक्तेश्वर तिवारी ।

152.मराठाकालीन गुजरात - संपादक डॉ0 (श्रीमती) चन्द्रमणि सिंह, अनुवादक और टिप्पणी लेखक - गोपाल नारायण बाहुरा, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर ।

153.महाराज छत्रसाल बुंदेला - डॉ0 भगवानदास गुप्त ।

154.मानसिक सन्निपात और टूटे हुए एवरेस्ट - अविनाश श्रीवास्तव, जयभारत प्रकाशन, 1971 ।

155.मिश्रबन्धु विनोद (द्वितीय भाग) -मिश्रबन्धु, गंगा पुस्तकमाला, लखनऊ, सं0 1955 ।

156.मीराँबाई की पदावली-संपा0 परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य सम्मेलन प्रयाग, संवत 2013 ।

157.मुक्तानंद काव्यम् (संशोधित) - संपा० हरिजीवन दास शास्त्री ।

158.मूलदासजीनी काव्यवाणी - संपा० महंत औधवदास महाराज 'बिन्दु', अमेरली, 1940 ।

159.मोड़ पर - डॉ० भगवतशरण अग्रवाल ।

160.युगांकन - डॉ० घनश्याम अग्रवाल, अपूर्व प्रकाशन, अजमेर, 1967 ।

161.रंगभर सुन्दर श्याम रमे - संपा० डॉ० रघुवीर चौधरी ।

162.रवि-भाणअने मोरारनी वाणी- प्र० सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय, अहमदाबाद ।

163.राजस्थान एवं गुजरात के संत एवं भक्त कवि- डॉ० मदन कुमार जानी, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा ।

164.राजस्थान के जैन संत काव्य - डॉ० कस्तूरचन्द कासलीवाल ।

165.राजस्थान के जैन संत व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व - डॉ० कस्तूरचन्द कासलीवाल ।

166.राजस्थानी भाषा और साहित्य- मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, संवत् 2008 ।

167.रामानन्द सम्प्रदाय तथा हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव - डॉ० बदरीनारायण श्रीवास्तव, हिन्दी साहित्य परिषद, प्रयाग ।

168.रास और रासान्वयी काव्य - डॉ० दशरथ ओझा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

169.रेत पर हस्ताक्षर - शशिबाला अरोरा, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1994 ।

170.रोशनी की तलाश - डॉ० दयानन्द जैन और भगवानदास जैन, वर्षा प्रकाशन, अहमदाबाद, 1980 ।

171.विकास शिशुगीत - संकलन देवेन्द्र शर्मा, प्रका० - विकास पब्लिकेशन्स ।

172.विवशता से बँधे हुए -कमल पुंजाणी, जयदीप प्रकाशन, जामनगर, 1986 ।

173.विश्वधर्म दर्शन - श्री साँवलिया बिहारीलाल वर्मा (1953) ।

174.वृतान्त मुक्तावली - ब्रजभूषण ।

175.***शब्द-यात्रा*** - घनश्याम अग्रवाल - सौराष्ट्र हिन्दी साहित्य संस्थान, जूनागढ़, 1991 ।

176.शाक्त सम्प्रदाय तेना सिद्धान्तों, गुजरातमां तेनते प्रचार, अने गुजराती साहित्य उपर असर - दी० ब० नर्मदाशंकर दे० मेहता, फार्बस गुजराती सभा, मुम्बई, 1932 ई० ।

177.श्रवणाख्यान - संपा० डॉ० मदनगोपाल गुप्त, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय युनिवर्सिटी प्रेस ।

178.शाश्वत क्षितिज - डॉ० भगवतशरण अग्रवाल, चिंता प्रकाशन, पिलानी, 1985 ।

179.श्री अखाजीनी साखीओ - संपा० के० ए० ठाकर ।

180.श्री छोटी वृत - संपा0 ब्रह्मचारी मंगलदास शर्मा ।

181.श्री हनुमान तीसिका - जयसिंह 'व्यथित', 1993 ।

182.संत कवि दादू और उनका पंथ -डॉ0 वासुदेव शर्मा, शोध-प्रबन्ध-प्रकाशन, दिल्ली ।

183.संतकाव्य - आ0 परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद ।

184.संत दादू और उनकी वाणी - संपा0 'अज्ञात', प्र0 राजेन्द्र कुमार बलिया ।

185.संत दादू दयाल - संपा0 काशीनाथ उपाध्याय, एस0 एल0 सोंधी राधास्वामी सत्संग, ब्यास, 1980 ।

186.संतप्रिया-अखानी वाणी - सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय, अहमदाबाद, पंचम आवृति, सं0 2014 ।

187.संतराम पदसंग्रह- श्री फुलाभाई शामलभाई, संतराम मंदिर, नडियाद, सं0 2014 ।

188.संतसुधासार - वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, दिल्ली, 1953 ।

189.सबरस - डॉ0 भगवतशरण अग्रवाल ।

190.समयसुन्दर कृत कुसुमांजलि- संपा अगरचन्द नाहटा ।

191.समान्तर रेखाओं के त्रिकोण - अविनाश श्रीवास्तव, सोनल प्रकाशन, अहमदाबाद, 1974 ।

192.साठोत्तरी हिन्दी मिथक काव्य - डॉ0 ओ0 पी0 यादव ।

193.साहित्यकार अखो - संपा0 डॉ0 मंजुलाल मजूमदार, प्रेमानन्द साहित्य सभा, बड़ौदा ।

194.साहित्येतिहास- डॉ0 सुमन राजे ।

195.सुमनांजलि -भागवत प्रसाद मिश्र 'नियाज' ।

196.स्पन्दन - दिव्या रावल, अनाशा महिला औद्योगिक सहकारी मंडली लिमिटेड, अहमदाबाद, 1991 ।

197.हरि पतित पावन सुने -भागवत प्रसाद मिश्र 'नियाज' ।

198.हाइकु-त्रिशती - आ0 रघुनाथ भट्ट, गुजरात प्रान्त राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, अहमदाबाद, 2002 ।

199.हाथ आँखों वाले - डॉ0 रमाकांत शर्मा, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद, 1992 ।

200.हाशिए की कविताएँ - किशोर काबरा, कर्णावती प्रकाशन, अहमदाबाद, 1995 ।

201.हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय - डॉ0 पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग हाऊस, लखनऊ ।

202.हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि - डॉ0 गोविन्द

त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।

203.हिन्दी पद संग्रह - संपा0 डॉ0 कस्तूरचंद कासलीवाल, महावीर ग्रंथमाला, जयपुर ।

204.हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में गुजरात का योगदान (डॉ0 अम्बाशंकर नागर अभिनन्दन ग्रंथ)- हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद ।

205.हिन्दी साहित्य (द्वितीय खण्ड) - संपा0 डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा ।

206.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ0 रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाला बेनी माधव, इलाहाबाद, 1964 ।

207.हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संवत् 2012 ।

208.हिन्दी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि - विश्वम्भर नाथ उपाध्याय ।

209.हिन्दी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, बम्बई ।

210.हिन्दी साहित्य को हिन्दीतर प्रदेशों की देन - संपा0 डॉ0 मलिक मोहम्मद, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरीगेट, दिल्ली ।

पत्र-पत्रिकाएँ

1.प्रणामी धर्म पत्रिका 'उपदेशांक', सं0 1999 (आश्विन)

2.'पाटल' संत साहित्य दादू और उनकी धर्म साधना विशेषांक

3.प्रणामी धर्म पत्रिका 'मुकन्द वाणी' अंक, जुलाई 1958

4.'सम्मेलन पत्रिका' (इलाहाबाद), संवत् 2013, अंक 2 में प्रकाशित डॉ0 अम्बाशंकर नागर का 'मेहरामणसिंह कृत प्रवीण सागर' -शीर्षक लेख ।

5.'श्री प्राणनाथ संदेश', प्रणामी साहित्य अंक

6.'श्री सर्वेश्वर', वृन्दावन अंक

7.'साबरनामा' 1988

8.'साहित्य', जुलाई 1954

9.'विश्वभारती पत्रिका' में 'गुजरात के सूफ़ी कवि' शीर्षक लेख -डॉ0 अम्बाशंकर नागर ।

अंग्रेजी ग्रंथ -

1. A History of Gujarat, Vol-I.
2. A linguistic Survey of India, Vol-IX, part-I - Sir George Grierson .
3. Cambridge History of India - बर्न .
4. India since 1526 - V.D. Mahajan .
5. Origin and development of the Bengali language, Vol-I - डॉ0 सुनीति कुमार चैटर्जी ।
6. Panna Gazetteer .
7. The Devine Message of Lord Prannath - P. Krishnamurty Iyer .

महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (हिन्दी – विभाग)

की पीएच.डी. उपाधि

के लिए प्रस्तुत

शोध प्रबंध

गुजरात की हिन्दी काव्य – परम्परा और प्रयोग

की

संक्षिप्त रूपरेखा

शोध छा..

ज्योति छाजेड़

For
Head, Department of Hindi,
Faculty of Arts,
M. S. University of Baroda.
Vadodara.

शोध निर्देशक

डॉ. विष्णु चतुर्वेदी

रीडर, हिन्दी विभाग

म.स. विश्वविद्यालय बड़ौदा

दिसम्बर 2004

विषयानुक्रमणिका

अध्याय प्रथम	गुजरात में हिन्दी प्रचार की भूमिका
अध्याय द्वितीय	गुजरात में हिन्दी काव्य परम्परा
अध्याय तृतीय	गुजरात के हिन्दी साहित्य को धर्म सम्प्रदायों की देन
अध्याय चतुर्थ	गुजरात में हिन्दी साहित्य का क्रमिक विकास
अध्याय पंचम	गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता
अध्याय षष्ठ	गुजरात के हिन्दी काव्य साहित्य की सम्यक समीक्षा
अध्याय सप्तम	मूल्यांकन एवं उपसंहार
	परिशिष्ट

==============

गुजरात की हिन्दी काव्य परम्परा और प्रयोग

--रोहतक से एम. ए. करने के बाद कुछ समय मैं अपनी दीदी डा. अंजु मंडावत के पास दिल्ली रही और उनसे समय समय पर साहित्य चर्चाएँ करती रहीं । हिन्दी साहित्य में गहन अध्ययन और शोध करने की मेरी जिज्ञासा बढ़ती गई । दीदी ने ही गुजरात में रहकर बड़ौदा से ही पीएच.डी. करने की सलाह दी । दीदी ने भी यहीं से पीएच.डी. की थी. संयोग से मेरे भाई का ट्रांसफर जब अहमदाबाद हुआ और ~~XX~~ हमारा आना जाना गुजरात में होने लगा तो मैंने बड़ौदा आकर यहाँ म.स. यूनीवर्सिटी के हिन्दी विभाग से सम्पर्क बनाया और डा. विष्णु विराट से अपने विषय पर विचार विमर्श किया । अन्त में तय किया गया कि गुजरात में रचित हिन्दी साहित्य पर ही नये दृष्टिकोण से शोधकार्य सम्पन्न किया जाय । डा. विष्णु विराट गुजरात के सम्माननीय हिन्दी साहित्यकार हैं ,आपका सम्पर्क भी समग्र गुजरात के विद्वान समाज से है, अतः इनकी छत्रछाया में ही मैंने गुजरात की हिन्दी काव्य परम्परा और प्रयोग विषय निश्चित करके अपना विषय पीएच.डी. हेतु पंजीकृत करा लिया.

विषय निर्धारित हो जाने के बाद इसी विषय पर अध्ययन करने के लिए मैंने यहाँ के अनेक विद्वानों से सम्पर्क किया. अनेक प्रकाशित बहु चर्चित ग्रंथों का अवलोकन किया. यहाँ के हिन्दी विद्वानों में डा. रमणलाल पाठक, डा. दयाशंकर शुक्ल, डा. मदनगोपाल गुप्त, डा. के. एम. शाह. डा. रमण भाई तलाटी आदि उल्लेखनीय हैं. मैंने उनके कृतित्व को जाना और समझा और अपना आगे का मार्ग निर्धारित किया ।

मैंने सामान्य रूप से गुजरात के हिन्दी साहित्य का अध्ययन-मनन प्रारंभ कर दिया । इसके लिए गुजरात हिन्दी साहित्य अकादमी, गाँधीनगर से, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद से, गुजरात हिन्दी प्रचारिणी सभा, बड़ौदा से, प्राच्य विद्या पीठ, बड़ौदा से तथा म. स. यूनीवर्सिटी बड़ौदा के ग्रंथागारों से मैंने अनेक दुर्लभ ग्रंथ प्राप्त किये तथा अपना विधिवत अध्ययन प्रारंभ कर दिया ।

गुजरात के हिन्दी साहित्य पर अनेक कोणों से विद्वानों ने विचार विमर्श व्यक्त किये हैं, यहाँ अनेक शोधकार्य भी सम्पन्न ~~हुए हैं~~, इन प्रधान विद्वानों में प्रो. अम्बाशंकर नागर, डा. किशोर काबरा. डा. भगवान दास जैन, डा. रामकुमार गुप्त, डा. भूपतिराम साकरिया, ~~डा.~~ डा. सनतकुमार व्यास डा. भगवत शरण अग्रवाल, आ. रघुनाथ भट्ट, डा. निर्मला असनानी, डा. शशि अरोरा आदि के शोध प्रदान विशेष उपयोगी सिद्ध हुए हैं । मैंने गुजरात के अनेक ग्रंथागारों का भी अवलोकन करना प्रारंभ कर दिया और धीरे धीरे गुजरात के हिन्दी साहित्य की मूल प्रकृति में मेरी अभिरुचि जागृत होने लगी ।

विषय पंजीकृत हो जाने के बाद मैंने सामग्री

चयन करना प्रारंभ कर दिया और अपना लेखन कार्य भी आगे बढ़ाने लगी । बड़े उत्साह से मैं यह कार्य सम्पादन करने लगी थी और फिर धीरे धीरे मैंने अपने निर्देशक महोदय के कुशल निर्देशन में यह शोधकार्य सम्पन्न कर ही लिया ।

अध्ययन की सुविधा के लिए प्रस्तुत शोध प्रबंध को मैंने मुख्य सात अध्यायों में विभाजित किया है जिससे विषय को व्यवस्थित रूप से विश्लेषित किया जा सके । विषयगत अध्यायों का संक्षिप्त विभाजन इस प्रकार है:--

प्रथम अध्याय गुजरात में हिन्दी प्रचार की भूमिका से सम्बन्धित है । गुजरात एक अहिन्दीभाषी राज्य है लेकिन हिन्दी की जड़ें यहाँ बहुत पहले से जमी हुई हैं ।नरसी मेहता, दयाराम, अखा आदि ने यहाँ हिन्दी काव्य की जड़ें जमाई थीं । इस अध्याय में राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से प्रभावित होकर हिन्दी का जो व्यापक प्रसार हुआ है, उस पर चतुर्दिक प्रकाश डाला गया है । व्यापारियों के सतत सम्पर्क और महाजनों के सम्बन्ध के कारण भी हिन्दी क्षेत्र की बोलियाँ यहाँ पाँव पसार सकी हैं । अनेक संत महात्माओं, सिद्धों एवं धर्माचार्यों ने भी यहाँ हिन्दी के लिए एक अनुकूल परिस्थिति का निर्माण किया है । पुष्टिमार्गीय वैष्णव सम्प्रदाय का यहाँ हिन्दी साहित्य के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान रहा है । इनके अतिरिक्त जैन, बौद्ध, स्वामीनारायण, राधावल्लभ, रामानुज, प्रणामी आदि अनेक धर्म सम्प्रदायों का साहित्य भी यहाँ उपलब्ध है, यहाँ के ग्रंथागारों में हस्तलिखित पाडुलिपियों के रूप में भी हिन्दी का पुष्कल मध्यकालीन साहित्य उपलब्ध हुआ है ।

इन सब का विवरणात्मक विश्लेषण इस प्रथम अध्याय में किया गया है ।

द्वितीय अध्याय में गुजरातमें हिन्दी काव्य परम्परा का क्रमिक विकास स्पष्ट करते हुए यहाँ के हिन्दी प्रचारकों का भी लेखा जोखा प्रस्तुत करके उनकी महत्ता ज्ञापित की गई है । इस संदर्भ में महर्षि दयानन्द, महात्मा गाँधी, काका कालेलकर, के. एम. मुंशी, महाराजा सयाजीराव आदि के विशिष्ट प्रदान की चर्चा की गई है ।

अध्याय तृतीय में हिन्दी साहित्य के प्रसार एवं प्रचार में धर्म सम्प्रदायों की भूमिका स्पष्ट करते हुए उनको विशिष्ट योगदान को रेखांकित किया गया है । इनमें स्वामीनारायण के अष्टछापी कवि, प्रणामी सम्प्रदाय के तथा जै जै श्रीगोकुलेश के अनुयायीगणों का प्रदान तथा विशेष रूप से जैन धर्मावलम्बियों के योगदान को स्पष्ट किया गया है । रामानन्द, रविभाण, सूफी एवं संत काव्य की विशद चर्चा की गई है । इस संदर्भ इन धर्म सम्प्रदायों की दार्शनिक एवं आध्यात्मिक भूमिका को भी साहित्य के संदर्भ में विवेचित किया गया है ।

अध्याय चतुर्थ में गुजरात के हिन्दी साहित्य के विकास की क्रमिक चर्चा करते हुए अनेक रूपों को भी स्पष्ट किया गया है । पन्द्रहवीं सदी का पूर्ववर्ती तथा अपभ्रंश गुजरात के हिन्दी साहित्य पर अपने विचार व्यक्त किये गए हैं । इनमें नरसी मेहता, पद्मनाथ, भालण, भीम, मांडण, शेख बहुअद्दीन, बाझन, काज़ी महबूब दरियाई, दलपतराम जैसे अनेक कवियों के रचनात्मक प्रदान को इस अध्याय में व्याख्यायित किया गया है ।

सोलहवीं शताब्दी में मीराबाई, बैजु बावरा,

कृष्णदास अधिकारी, केशवदास कायस्थ, लक्ष्मीदास, ब्रह्मदेव, ईश्वर बारोट, सायाँझूला, समर्थदास, दादूदयाल, प्रेमाबाई आदि अनेक ज्ञात एवं अज्ञात कवियों के कृतित्व की चर्चा की गई है ।

इसी प्रसंग में सत्रहवीं शताब्दी में राजे, भगवानदास कायस्थ, पुष्कर, शिवानन्द, रामचन्द्र नागर, देवरामजी, मुहम्मद आमीन, प्राणनाथ, अखा, मेकनदास आदि प्रसिद्ध कवियों को विवेचित किया गया है ।

अठारहवीं शताब्दी में हुए दयाराम, नृसिंहाचार्य, अर्जुन भगत, निर्मलदास, छोटम, ब्रह्मानन्द, राजा मानसिंह, गोविन्द गिल्लाभाई, पिंगल सिंह पाताभाई आदि कवियों की भी चर्चा की गई है ।

उन्नीसवीं शताब्दी में तथा बीसवीं शताब्दी में हुए रत्नो भगत, सागर महाजन, ओंकारेश्वरी, रंग अवधूत, उपेन्द्राचार्य, अविनाशानन्द जी, कुंअर कुशल, कनक कुशल, लखपति महाराव मेहरावणसिंह, इन्दुमती देसाई आदि के कृतित्व की चर्चा की गई है ।

अध्याय पंचम में गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता को केन्द्र में रखकर एक तटस्थ विवेचन प्रस्तुत किया गया है । समकालीन कवि और विशिष्ट कृतित्व को परिचयात्मक ढ़ग से विश्लेषित किया गया है । गुजरात के समकालीन साहित्यकारों की यदि विस्तार से चर्चा करें तो यहाँ शताधिक साहित्यकार हैं जिनके अनेक ग्रंथ मुद्रित

हो चुके हैं । यहाँ साहित्य की अधिकांश विधाओं में लिखा गया है । कहानी, उपन्यास, शोधलेख, समीक्षा समालोचना, ललित निबंध, संस्मरण, अनुवाद, व्याकरण, कवित्त, सवैया, दोहा, गीत, नवगीत, हाइकू, मुक्तक काव्य, प्रबंधकाव्य, महाकाव्य, गीति नाटिका, फिल्म पटकथा आदि अधिकांश विधाओं में लिखने वाले साहित्यकार गुजरात में हैं । इनका परिचयात्मक विवरण ही इस ग्रंथ में दिया जा सकता था । इस अध्याय में इनकी ही चर्चा है ।

अध्याय षष्ठ में गुजरात के हिन्दी साहित्य की सम्यक समीक्षा, विचारणा की गई है । इस तटस्थ समीक्षा के निकष पर इन रचनाओं को कसा गया है । इनमें मध्यकालीन वैष्णवकाव्य, संत काव्य, जैन काव्य, सूफी काव्य, भक्तिकाव्य रीतिकाव्य आदि की समालोचना प्रस्तुत की गई है । इसके कलापक्ष एवं सौन्दर्यपक्ष पर प्रकाश ~~डाला~~ डाला गया है । कलापक्ष में रस अलंकार, छन्द, भाषा की भी ~~समीक्षा~~ समीक्षा की गई है ।

इसी अध्याय में गुजरात के हिन्दी साहित्य की साहित्यक एवं सामाजिक अवधारणा को स्पष्ट किया गया है । आम आदमी की दयनीय स्थिति, सामाजिक विसंगतियाँ, प्रकृति तथा नारी के विषय में विविध मंतव्य, राजनीतिक अधोपतन के प्रति आक्रोश, ईश्वरीय भक्ति आदि दृष्टिकोणों को भी स्पष्ट किया गया है ।

इसी अध्याय में हिन्दी काव्य नवनवोन्मेषी काव्यधाराओं को भी विश्लेषित करने का यत्न किया गया है ।

अध्याय सप्तम में सिंहावलोकन करते हुए शोध-प्रबंध का समग्र मूल्यांकन, लेखकीय स्थापनाएँ तथा उपसंहार दिया गया है। इस अध्याय में यह भी स्पष्ट किया गया है कि गुजरात का हिन्दी साहित्य इतना समृद्ध और स्तरीय रहा है कि उसकी तुलना हिन्दी भाषी क्षेत्र के साहित्य से सहज रूप में की जा सकती है और यह रंचमात्र भी कम प्रतिष्ठित नहीं है।

अन्त में परिशिष्ट में सहायक ग्रंथों की सूची संलग्न की गई है। इस प्रकार यह शोध प्रबंध कुल सात अध्यायों में सम्पन्न किया गया है।

जैसा कि मैं पूर्वकथन में ही स्पष्ट कर दिया है कि अपने इस शोध कार्य को पूरा करने के लिए मैंने अनेक मनीषी विद्वानों का तथा गुरुजनों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया है, इस संदर्भ में मैं अपने निर्देशक महोदय डा० विष्णु विराट चतुर्वेदी का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ जो ब्रजभाषा के आचार्य कवि हैं तथा गीत नवगीत के राष्ट्रीय हस्ताक्षर है। गुजरात के अग्रगण्य साहित्यकारों में उनका सम्मान है, मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसे विद्वान मार्गदर्शक का, निर्देशक का सहयोग प्राप्त हुआ मैं उनके प्रति अत्यंत आभारी हूँ।

म. स. विश्वविद्यालय, बड़ौदा के हिन्दी विभाग की अध्यक्षा डा. अनुराधा दलाल, रीडर डा. शैलजा भारद्वाज, प्रो. पारुकांत देसाई तथा डा. भगवान दास कहार के प्रति भी मैं धन्यवाद

ज्ञापित करती हूँ जिन्होंने समय-समय पर मेरा सहयोग देकर मुझे दिशा-निर्देशित किया है ।

अन्त में अपनी दीदी डा॰ अंजु मंडावत, अपनी माँ तथा अपने पिताजी के प्रति भी अपनी श्रद्धाभावना व्यक्त करती हूँ जिनके सहयोग के बिना यह यज्ञ पूरा नहीं हो पाता ।

अनुगृहीत शोध छात्रा

Jyoti

(ज्योति छाजेड़)